वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 213 | सोमवार 28 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

म्यूजिक कॉन्सर्ट में सिटी सिंगर्स ने जीता दिल

सुर से सुकून के नाम सुरमई शाम में गूंजे बॉलीवुड के दिलकश तराने

जयपुर. कासं। महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम रविवार की शाम बॉलीवुड गीतों के चर्चित कार्यक्रम **''एक शाम सुर से सुकून के नाम''** में गूंजे दिलकश तरानों से यादगार बनी। मौका था म्यूजिक कॉन्सर्ट के सातवें सीजन का। कार्यक्रम का महत्व इसलिए और भी बढ़ गया क्योंकि इसके म्यूजिक अरेंजमेंट का जिम्मा बॉलीवुड के म्यूजिक डायरेक्टर अमर मकवाना और जयपुर के जेके पंवार ने संभाला। अमर मकवाना ने फिल्म जिंदगी तेरे नाम में बैकग्राउन्ड म्यूजिक और काट बिटवीन कलर्स फिल्म में म्यूजिक डायरेक्शन कर अपनी पहचान कायम की है। उनके साथ बॉलीवुड के मशहूर वायलिन वादक संजीव राव सहित सात नामी संगतकारों ने विभिन्न वाद्यों पर कलाकारों की संगत कर गीतों को दिलकश बनाने में महत्सपूर्ण भूमिका निभाई। कर्यक्रम की शुरूआत के.पी. सक्सेना ने मोहम्मद रफी के गाए गीत 'रंग और नूर की बारात किसे पेश करू' से की। इसके बाद अर्पित कल्ला ने फिल्म अग्निपथ में सोनू निगम का गाया चर्चित गीत अभी मुझमे कहीं बाकी है थोड़ी गीत पेश कर माहौल को रूमानी बना दिया।

21वीं शताब्दी का पहला महामस्तिकाभिषेक

कलशा ढालो रे ढालो रे नर नारी...भगवान महावीर का स्वर्ण कलशों से महाअभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया

चांदनपुर वाले बाबा के नाम से पूरे विश्व में प्रसिद्ध भूगर्भ से प्रकटित भगवान महावीर की मूंगावर्णी अतिशयकारी प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक महोत्सव रविवार से शुरू हुआ। स्वर्ण कलशों से भगवान महावीर का अभिषेक किया गया। महामस्तकाभिषेक महोत्सव 4 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान पुण्यार्जक श्रद्धालुओं एवं इंद्र-इंद्राणियां 2650 कलशों से भगवान का महामस्तकाभिषेक किया जाएगा। आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दोपहर 12:15 बजे से महामस्तकाभिषेक शुरू हुआ। प्रथम कलश का सौभाग्य आरके मार्बल्स परिवार किशनगढ़ के कंवरी लाल, अशोक, सुरेश, विमल पाटनी एवं परिवारजन को प्राप्त हुआ। पहले दिन 300 कलश किए गए। महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं महामंत्री महेंद्र कुमार पाटनी ने बताया कि मूलनायक प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक करने के लिए इंद्र-इंद्राणियां बैंडबाजों के साथ जुलूस के रूप में मुख्य मंदिर पहुंचे। कार्याध्यक्ष विवेक काला एवं उपाध्यक्ष शांति कुमार जैन के अनुसार, द्वितीय कलश करने का सौभाग्य प्रदीप, योगेश, नवीन, लोकेश पीएनसी परिवार आगरा को मिला। तृतीय कलश का पुण्यार्जन जयपुर के नंद किशोर, प्रमोद, सुनील पहाड़ियां परिवार को मिला। शांतिधारा का पुण्यार्जन महेश काला परिवार इम्फाल को मिला।

आज यह रहेगा कार्यक्रम: महोत्सव समिति के प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि 28 नवंबर से 4 दिसंबर तक प्रतिदिन प्रातः 8:15 बजे से सायं 4:15 बजे तक महामस्तकाभिषेक होगा। दर्शनार्थियों को मंदिर दर्शन शाम 6 से रात 9:30 बजे तक हो सकेंगे। श्रीमहावीरजी में श्रावकों के लिए दो वात्सल्य भोजनशालाएं निशुल्क चल रही है। इनमें सुबह-शाम करीब पांच हजार से ज्यादा श्रावकों को कुर्सी-टेबल पर बैठाकर, बफर सिस्टम से नाश्ता-भोजन जिम्मा रहे हैं। साफे पहने वेटर्स भोजन परोसते हैं तो राजस्थान की संस्कृति झलकती है। चरण छत्री पार्क परिसर और इसके पास ये भोजनशालाएं हैं। इनमें रतलाम और कोटा के कैटरर्स व हलवाइयों सहित 500 लोग व्यवस्था संभाल रहे हैं। दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर कमेटी, पंचकल्याणक एवं महामस्तकाभिषेक से जुड़े पदाधिकारी श्रावकों की सुविधाओं पर निगरानी कर रहे हैं।

@...पेज 5 पर

एक दिसंबर को जयपुर आएंगे नड्डा , 51 रथ करेंगे रवाना

राजस्थान की 200 विधानसभा क्षेत्र की हर गली तक पहुंचेंगे

जयपुर. कासं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जयपुर में 1 दिसम्बर को जन आक्रोश यात्रा की शुरूआत 51 रथों की रवानगी के साथ करेंगे। राजस्थान में सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों तक ये रथ जाएंगे। 1 दिसम्बर को प्रदेश स्तर पर जयपुर से रवानगी के बाद, 2 दिसम्बर को जिलों से और 4 दिसम्बर को विधानसभा क्षेत्रों से रथ निकलना शुरू होंगे। 4 से 14 दिसम्बर तक हर विधानसभा क्षेत्र की हर गली तक रथ जाएंगे। इस दौरान करीब 20 हजार चौपालें और नुक्कड़ सभाएं होंगी। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया ने जयपुर में प्रदेश बीजेपी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर कहा- हमारा टारगेट है कि 2 करोड़ लोगों तक बीजेपी अपनी बात को जन आक्रोश रैली से पहुंचाएगी। इस दौरान जन आक्रोश अभियान का थीम सॉन्ग लॉन्च किया गया। प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ 7 पॉइंट्स की चार्जशीट और मिस कॉल नम्बर जारी किए। पूनिया बोले- रथों के साथ शिकायत पेटी होगी। इसमें विधानसभा क्षेत्र के लोग शिकायतों को लिखकर पत्र में डाल सकेंगे। बीजेपी उन्हें इकट्ठा कर चुनाव में घोषणा पत्र और चार्जशीट में उन पॉइंट्स को शामिल करेगी।

मिस्ड कॉल से बीजेपी जन आक्रोश यात्रा का समर्थन करें

8140200200 नम्बर पर मिस्ड कॉल करने की अपील बीजेपी जनता से कर रही है। बीजेपी पार्टी ने आरोप पत्र पर भी छपवाया है कि कांग्रेस के जंगलराज, भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ जन आक्रोश यात्रा से जुड़ने के लिए मिस्ड कॉल करें। पूनिया बोले- सरकार के 4 साल पर अब 17 दिसम्बर को बड़ी रैली नहीं होगी। क्योंकि आम तौर पर बड़ी सभाओं का मिजाज, मौसम और जरूरत चुनाव से पहले होती है। उसे हम थोड़ा आगे देरी से करेंगे।

समवशरण में दिव्यदेशना के माध्यम से पूरे विश्व को दिया जीओ और जीने दो का संदेश

सोमवार को मोक्ष कल्याणक महोत्सव के साथ भगवान महावीर की 24 फीट उतंग खड्गासन प्रतिमा एवं नवनिर्मित चौबीसी प्रतिमाओं का होगा मस्तकाभिषेक

जयपुर/श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

गुरुवार से शुरू हुए पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में रविवार को केवल ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया गया । इस मौके पर प्रातः तीर्थंकर महामुनि की आहार चर्या हुई वहीं समवशरण में भगवान की दिव्य ध्वनि गिरी तथा दिव्यदेशना के माध्यम से जीवों के कल्याण का उपदेश दिया। सोमवार,28 नवम्बर को मोक्ष कल्याणक महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ हवन के बाद 24फीट उतंग भगवान महावीर की खड्गासन प्रतिमा एवं नवनिर्मित चौबीसी प्रतिमाओं का मस्तकाभिषेक के साथ पांच दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन हो जाएगा। महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि केवल ज्ञान कल्याणक महोत्सव के अन्तर्गत रविवार को प्रातः 6.30 बजे से ध्यान एवं आशीर्वाद सभा के बाद श्री जिनाभिषेक एवं नित्यार्चना की गई। तत्पश्चात प्रातः तीर्थंकर महामुनि की आहार चर्या हुई जिसमें महामुनि को आहार देने के लिए श्रद्वालुओं में होड़ मच गई।हर कोई इस पावन मौके का पुण्यार्जन लेना चाह रहा था। तत्पश्चात ,पंचाश्चर्य दृश्य के बाद आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने प्रतिमाओं में केवलज्ञान संस्कार देते हुए सूरिमंत्र दिया । नव स्थापित भगवान महावीर की 24 फीट उंतग खड्गासन प्रतिमा एवं प्रतिष्ठित होने वाली नवनिर्मित चौबीसी प्रतिमाओं में भी केवल ज्ञान की क्रियाएं की गई तथा सूरिमंत्र दिया गया। प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातः 10 बजे राजा श्रेणिक के जुलूस का धूमधाम से बैण्ड बाजों, हाथी, घोड़ों सहित पूर्ण लवाजमे के साथ समवशरण में आगमन हुआ। समवशरण का उदघाटन के बाद तीर्थंकर महावीर के रूप में आचार्य वर्धमान सागर महाराज समवशरण में विराजमान हुए। भगवान के मुख्य गणधर गौतम स्वामी के आगमन पर भगवान की दिव्य ध्वनि खिरी तथा उन्होंने अपनी दिव्य देशना के माध्यम से जीवों के कल्याण तथा जीओ और जीने दो का उपदेश दिया। सौधर्म इन्द्र रोहन - अमिता कटारिया, चक्रवर्ती राजा सुरेश -शान्ता पाटनी आदि सभी इन्द्र-इन्द्राणियों ने आचार्य श्री से मार्गदर्शन लेकर अपनी जिज्ञासाएं शान्त की। समवशरण सभा में अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, उपाध्यक्ष शांति कुमार जैन,सी पी जैन, महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी, कार्याध्यक्ष विवेक काला, कोषाध्यक्ष उमरावमल संघी, मुख्य संयोजक सुभाष चन्द जैन जौहरी, संयोजक सुरेश सबलावत, राकेश सेठी, देवेन्द्र अजमेरा, भारत भूषण जैन सहित बड़ी संख्या में कमेटी सदस्य एवं गणमान्य श्रेष्ठीजन शामिल हुए। कोषाध्यक्ष उमरावमल संघी ने बताया कि सायंकाल हाथों में 108 दीपों की थाली लेकर इन्द्रगण परिवारों ने श्री जी की नाचते गाते महाआरती की। पं.हंसमुंख जैन धरियावद वालों द्वारा शास्त्र सभा में धर्म का मर्म समझाया। प्रशासनिक समन्वयक भारत भूषण जैन एवं देवेन्द्र अजमेरा ने बताया कि रात्रि में रंगशाला नाट्य अकादमी इन्दौर द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिसमें भगवान नेमिनाथ के जीवन पर आधारित वैभव और वैराग्य की गाथा 'विरह और वैराग्य ' नाटिका की मनभावन प्रस्तुति दी गई ।

मुनिवर 108 अजित सागर ससंघ का विशाल जुलूस के साथ श्री महावीरजी में हुआ मंगल प्रवेश

टिकटोली अतिशय क्षेत्र से श्रीं महावीरजी तीर्थ वंदना का हुआ समापन

श्री महावीरजी

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनि श्री अजित सागर महाराज ससंघ का विशाल जुलूस के साथ रविवार को श्री महावीरजी में मंगल प्रवेश हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल हुए। श्री विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर के मुख्य संयोजक मनीष चौधरी एवं भगवान महावीर मस्तकाभिषेक महोत्सव समिति के प्रचार संयोजक विनोद जैन 'कोटखावदा 'ने बताया कि मुरैना के टिकटोली अतिशय क्षेत्र मंदिर से श्री महावीरजी तीर्थ वंदना 21 नवंबर को प्रारंभ हुई थी जो 27 को श्री महावीरजी पहुंच कर सम्पन्न हुई। मुनिराज अजित सागर के साथ ऐलक दयासागर और ऐलक विवेकानंद सागर महाराज सैकड़ों

श्रावको के साथ श्री महावीरजी के श्री शांतिवीर नगर के दिगम्बर जैन मंदिर पहुंचें जहां मंदिर कमेटी के महामंत्री राज कुमार कोठ्यारी, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल महामंत्री योगेश टोडरका, अतिशय क्षेत्र चन्द्रगिरी बैनाड के अध्यक्ष प्रकाश गंगवाल,समाजश्रेष्ठी पदम भांवसा,तारा भौसा,प्रदीप ठोलिया आदि ने मंगल अगवानी की।मंदिर दर्शन के बाद विशाल जुलूस के रूप में बैण्ड बाजों, हाथों में केसरिया ध्वज लिए श्रावकों के साथ मुनिसंघ का विशाल जुलूस मुख्य मंदिर के लिए रवाना हुआ।इस मौके पर आर के मार्बल्स किशनगढ ग्रुप के चैयरमेन एवं जैन समाज के भामाशाह अशोक पाटनी, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा,श्री विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर के मुख्य संयोजक मनीष चौधरी,जैन सोश्यल ग्रुप मेट्रो जयपुर के अध्यक्ष कमल वैद सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन शामिल हुए। सिद्धार्थ रिसोर्ट के बाहर श्री विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर एवं जयपुर जैन समाज की ओर से पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की गई। मुनि श्री ने पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कांच वाला मंदिर के दर्शन लाभ प्राप्त किए।इस मौके पर महावीर जी जैन समाज के महामंत्री संजय छाबड़ा ने मुनि श्री की भव्य अगवानी की। मुनि श्री राजस्थान प्रांत में प्रथम बार पधारे हैं। मंदिर दर्शन के बाद मुनि श्री का जुलूस कृष्णा बाई दिगम्बर जैन मंदिर पहुंच कर सम्पन्न हुआ।

श्री दि. जैन देशभूषण आश्रम में श्रीमज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव व विश्व शांति महायज्ञ का शुभारंभ

संस्कार और संस्कृति की उन्नति एवं रक्षा के लिए संतान आवश्यक है: आचार्य श्री सुनील सागर जी

ध्वजारोहण, मंडल उद्घाटन व घटयात्रा जुलूस में गूंजे श्रीजी के जयकारे

जयपुर. शाबाश इंडिया

अरावली पर्वत श्रृंखला में स्थित अचरोल ग्राम मे श्री दिगम्बर जैन देशभूषण आश्रम में तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर जी गुरुदेव के पट्ट शिष्य चर्या शिरोमणि आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में 6 दिवसीय श्रीमज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव व विश्व शांति महायज्ञ का शुभारंभ रविवार को ध्वजारोहण,मंडप उदघाटन सहित अनेक धार्मिक अनुष्ठानों के साथ शुरू हुआ। आयोजन से जुड़े नेम प्रकाश खंडाका,देव प्रकाश खंडाका व संत कुमार खंडाका ने बताया कि महोत्सव के प्रथम दिन रविवार को गर्भ कल्याणक पूर्वार्द्ध क्रियायें हुई ,जिसके तहत श्री जी का अभिषेक हुआ। इसके बाद जयकारों व बैड वादन की मधुर लहरियों के बीच घटयात्रा निकाली गई। घटयात्रा में महिलाएं सिर पर मांगलिक कलश लेकर चल रही थी,वहीं पुरुष श्रद्धालु आया मंगल दिन मंगल अवसर...रोम-रोम से निकले प्रभुवर ,आदि भजनों की मधुर लहरियों पर नाचते-गाते हुए हुए चल रहे थे। घटयात्रा आसपास के क्षेत्रों की परिक्रमा लगाकर कार्यक्रम स्थल पहुंची,जहां पर ध्वजारोहण, श्रीमती सरिता-रमेश नारनौली राजवेश वालों ने किया।,तत्पश्चात पांडाल का उद्घाटन,चित्र अनावरण समाजश्रेष्ठी नेम प्रकाश खंडाका,देव प्रकाश खंडाका व संत कुमार खंडाका व उनके परिजनो ने किया। इस मौके

पर दीप प्रज्जवलन समाजश्रेष्ठी मदनलाल ,एनके गुप्ता,,सीमा-राजेन्द्र गुप्ता मंगलम बिल्डर्स वाले व मंडल उद्घाटन रामेश्वर लाल गोयल रूपलक्ष्मी वाले,श्रीमती मीना जैन-रामावतार गोयल ने किया। उक्त जानकारी देते हुए प्रचार संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया की इस अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ने कहा कि पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में संस्कार प्राप्त कर पाषाण भी परमात्मा बन जाते हैं। वो व्यक्ति सौभाग्यशाली होते हैं जिनके मन में जिनालय बनाने के भाव होते हैं। इसलिए अपने धन को पुण्य कार्यों में लगाना चाहिए। आचार्य उपदिष्ट थे उन्होंने श्रावको से कहा---- रिश्ते केवल मौज मस्ती के नहीं होते धर्म की जब बात आती है तो समय नहीं होता है यह समय आत्मचिंतन का समय है तीर्थंकर के चरित्र को जानने का समय है ।लिव इन रिलेशन के रिश्ते खतरनाक होते हैं यह मौज मस्ती के रिश्ते हैं ऐसे रिश्ते नहीं बनाने चाहिए। रिश्ते बिना खटास के बिना उठापटक के चलने चाहिए। रिश्ते तो पूर्व जन्म के संयोग से बनते हैं ।संस्कार और संस्कृति की उन्नति और रक्षा के लिए संतान आवश्यक है। मुख्य संयोजक रुपेन्द्र छाबड़ा ने बताया कि दोपहर में प्रतिष्ठाचार्य पंडित महावीर गींगला उदयपुर व जयपुर के डॉ.सनत कुमार जैन एवं ब्रह्मचारी विनय भैया के द्वारा सकलीकरण,इन्द्र,मंडप प्रतिष्ठा के बाद जाप्य के बाद कुमारिकाओं द्वारा तीर्थों से शुद्ध जल लाना व साजों के बीच याग मंडल विधान हुआ। इस महोत्सव मे भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य समाजश्रेष्ठी श्रीमती सुमन-संत कुमार खंडाका,सौधर्म इन्द्र श्रीमती प्रियांगी-कमल खंडाका,धनपति कुबेर श्रीमती ममता सौगानी-शांति कुमार सौगानी जापान वाले, महायज्ञनायक श्रीमती राजुल-राजकुमार खंडाका व ईषान इन्द्र श्रीमती निलेष-नेक कुमार खण्डाका बने। कार्यक्रम के प्रचार संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया कि शाम को भेरी ताडन के बाद सन्ध्या समय मे 7 बजे से गर्भकल्याणक के पूर्व दृश्य व रात्रि में गर्भकल्याणक की अभ्यंतर क्रियाएं हुई। महोत्सव के दूसरे दिन 28 नवम्बर को गर्भ कल्याणक उत्तरार्ध की क्रियाएं सम्पन्न होगी। सभी क्रियाएं सुबह 6.30 बजे जिनेन्द्र अभिषेक,शांतिधारा व हवन से शुरू होगी। इस मौके पर सुबह 8 बजे गर्भकल्याणक विधान, आचार्यश्री के प्रवचन,वेदी शुद्धि व वेदी प्रतिष्ठा के बाद दोपहर में शांतिनाथ महामंडल विधान पूजन,सन्ध्या समय 6 बजे आरती के बाद 7 बजे गर्भकल्याणक के उत्तर दृश्य, इन्द्रसभा, शंका समाधान, व माता के 16 स्वप्नों कार्यक्रम होगा ।

वेद ज्ञान

सत्य से बड़ा कोई धर्म नहीं...

धर्मग्रंथों का उद्घोष है कि सत्य से बड़ा कोई दूसरा धर्म नहीं है। महापुरुषों का भी यही कथन है कि सत्य को ग्रहण करने और असत्य को छोड़ने में सदैव तत्पर रहें। ऐसा करते ही अज्ञान, ज्ञान में बदल जाएगा। अंधकार प्रकाश में परावर्तित हो जाएगा। जीवन की यात्रा अद्भुत होगी। नित्य प्रति उल्लास-उमंग-उत्साह का समावेश होगा। सच तो यह है कि सत्य की अनुभूति के बाद ही आप शांति के साथ जीवन बसर कर सकते हैं। सत्य व्यक्ति को निर्भार बना देता है। उसकी यात्रा स्वभावतः महाशून्य की तरफ होने लगती है। कविगुरु रविंद्रनाथ टैगोर ने कहा था कि जो व्यक्ति सत्य निष्ठ होता है, अपने कर्तव्य के प्रति सचेतन व सजग होता है, उसके मार्ग का बाधक बनना इतना सरल कार्य नहीं होता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि सत्य के साथ तो स्वयं सच्चिदानंद परमात्मा होता है। देखा जाए तो वास्तविकता भी यही है। यदि हमें अपने कर्तव्यों का सही मायने में बोध है तो वह परमात्मा सदैव किसी न किसी रूप में हमारी सहायता अवश्य ही करता है। जो जीवन को पवित्रता और पारदर्शिता के साथ जीते हैं, जो निर्मल मन वाले हैं। उन्हें परमपिता परमेश्वर सहज ही स्वीकार करते हैं। शांति भी उस एक की चरण-शरण में ही है। सत्य को पा लेना या जान लेना इतना आसान कार्य भी नहीं है। पूजा-पाठ की अनेक पद्धतियां अपनाकर भी यदि हमारे जीवन में, हमारे आचरण में वह सत्य नहीं उतरा, तो सब निरर्थक है। कथन और आचरण, दोनों का जब तक समन्वय नहीं होगा, सत्य का दर्शन दुर्लभ है। यह देश धर्मराज युधिष्ठिर का है, सत्यवादी राजा हरिशचंद्र का है। जिन्होंने सत्य की पालना के लिए अपना सब कुछ न्योछावर किया। तभी वे आज भी अमर हैं। जो लोग सत्यनिष्ठ होते हैं, उनमें देवत्व होता है। वे परमात्मा के प्यारे होते हैं। हालांकि इस राह में कई कठिनाइयां भी आती हैं। लेकिन जो दृढ़ संकल्पित होते हैं, जो अपने मन की आवाज को पहले सुनते हैं, वे सत्य-असत्य का भेद भली-भांति कर पाते हैं। अपनी सत्यवादिता का परिचय व्यक्ति अपने कर्मक्षेत्र में प्रस्तुत कर सकता है। सत्य को अनुभूत किया जा सकता है, लेकिन उसके लिए हमारा हृदय मंदिर पवित्र हो। हर कर्म पूजा बना लें, परमात्मा को साक्ष्य बनाकर कर्म करें। यह मानकर कि वह हमारे हर अच्छे-बुरे कर्मों का लेखा-जोखा रखे हुए हैं।

संपादकीय

आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों की संख्या...

हर बार लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव में प्रत्याशियों और निर्वाचित होकर आने वालों में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों की संख्या कुछ बढ़ी हुई ही दर्ज होती है। इसका ताजा उदाहरण गुजरात विधानसभा के चुनाव हैं। अभी इसके पहले चरण के लिए पर्चे भरे गए हैं, जिसमें नवासी सीटों पर इक्कीस फीसद प्रत्याशी आपराधिक छवि के उतरे हैं। पिछले चुनाव में इनकी संख्या पंद्रह फीसद थी। अभी दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू होगी तो इस संख्या में कुछ कमी-बेशी हो सकती है। हैरानी की बात है कि कोई भी राजनीतिक दल ऐसा नहीं है, जिसने आपराधिक पृष्ठभूमि के प्रत्याशियों से परहेज किया हो। यहां तक कि राजनीतिक शुचिता का दम भरने वाली आम आदमी पार्टी ने सबसे अधिक, तेरह फीसद प्रत्याशी, आपराधिक पृष्ठभूमि के खड़े किए हैं। खुद प्रत्याशियों ने अपने हलफनामे में यह बात स्वीकार की है। उसके बत्तीस में से छब्बीस उम्मीदवारों पर गंभीर अपराध के मुकदमे दर्ज हैं।

इसी तरह कांग्रेस के अठारह और भाजपा के ग्यारह उम्मीदवारों पर गंभीर अपराध के मुकदमे चल रहे हैं। राजनीति में कई बार प्रतिद्वंद्वी दलों द्वारा रंजिश के चलते या सबक सिखाने की गरज से नेताओं पर मुकदमे थोप दिए जाते हैं। आंदोलनों आदि के दौरान भी उन पर मुकदमे दर्ज होते हैं। ऐसे मामलों को राजनीति से प्रेरित मान कर प्रायः नजरअंदाज कर दिया जाता है। मगर हत्या, बलात्कार, सार्वजनिक धन का गबन, चुनाव संबंधी अपराध, जिनमें पांच साल से अधिक कैद का प्रावधान है, गंभीर अपराध की श्रेणी में आते हैं। राजनीतिक दलों से अपेक्षा की जाती है कि ऐसे लोगों को चुनाव मैदान में उतारने से परहेज करें। मगर आजकल राजनीतिक दलों का जोर प्रत्याशियों के चरित्र पर नहीं, उनके जीतने की संभावना पर रहता है, इसलिए वे दबंग किस्म के लोगों को ज्यादा अनुकूल पाते हैं। यही हाल धनबल वालों का है। जिसके पास अधिक धन है, जो किसी भी राजनीतिक दल को आर्थिक रूप से अधिक मदद करने में सक्षम हैं, उन्हें राजनीतिक दल चुनाव का टिकट पकड़ा देते हैं। अक्सर गंभीर आपराधिक पृष्ठभूमि वालों के पास धनबल भी अधिक होता है और राजनीतिक संरक्षण पाने की मंशा से जीत की संभावना वाले राजनीतिक दल का दामन थाम लेते हैं। उनमें से बहुत सारे चुनाव जीत भी जाते हैं। राजनीति में आपराधिक छवि के लोगों की बढ़ती पैठ इसलिए चिंता का विषय है कि उनके सत्ता में आने से न सिर्फ उन पर चल रहे मुकदमों में न्याय प्रभावित होता, बल्कि भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना चुनौती बना रहता है। फिर सबसे बड़ा लोकतांत्रिक सैद्धांतिक सवाल सदा अनुत्तरित रह जाता है कि जिन लोगों को खुद कानून की परवाह नहीं, उन्हें कानून बनाने का अधिकार ही क्यों दिया जाना चाहिए। मगर चूंकि साफ-सुथरी छवि वालों की अपेक्षा धनबल और बाहुबल वाले मतदाताओं पर दबाव बनाने और उन्हें रिझाने में अधिक कामयाब देखे जाते हैं, इसलिए राजनीतिक दल उनसे निकटता रखने में परहेज नहीं करते। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

फैसले और विवाद...

किसी भी धार्मिक स्थल में वर्ग, समूह या लिंग के आधार पर प्रवेश की शर्तें तय करना या किसी खास वर्ग को प्रतिबंधित करना यों भी समानता के सिद्धांतों का उल्लंघन है। इसके बावजूद अगर दिल्ली के जामा मस्जिद में अकेली लड़की या लड़कियों के प्रवेश की मनाही का फरमान जारी कर दिया गया, तो यह एक तरह से समाज के एक हिस्से के प्रति न केवल भेदभाव का उदाहरण है, बल्कि इससे किसी धर्म पर समानता के उसूलों पर अमल के दावे भी कठघरे में खड़े होते हैं। खबरों के मुताबिक इस पाबंदी का कारण यह बताया गया था कि मस्जिद परिसर में लड़कियां अकेले आती और अपने दोस्तों का इंतजार करती हैं। हालांकि इस मसले के तूल पकड़ने और दिल्ली के उपराज्यपाल के अनुरोध के बाद लड़कियों के मस्जिद परिसर में प्रवेश पर लगी पाबंदी उठा ली गई। गुरुवार को जामा मस्जिद के शाही इमाम ने कहा कि नमाज अदा करने वाले किसी भी व्यक्ति पर यह आदेश लागू नहीं होगा। इबादत के लिए मस्जिद आने वाली लड़की को नहीं रोका जाएगा। मस्जिद प्रशासन के रुख से यह सवाल एक बार फिर उठा है कि तमाम धार्मिक स्थलों या किसी सामाजिक मसले को लेकर जब भी विवाद उठता है, तो उसकी पहली गाज महिलाओं पर ही क्यों गिरती है! लड़कियों के परिसर में दाखिल होने पर पाबंदी की जो वजह बताई गई थी, वह प्रथम दृष्टया ही पूर्वाग्रह ग्रस्त थी। अगर कोई लड़की अपने दोस्त से मिलने या उसके साथ जाती है तो मनाही का फरमान केवल लड़कियों के लिए क्यों जारी किया गया! मस्जिद परिसर में अवांछित हरकतों की शिकायतों का कोई आधार हो सकता है। लेकिन उसका हल भेदभाव से भरा फैसला नहीं होगा। यह वहां प्रबंधन में कोताही का नतीजा था कि कुछ युवक वहां धार्मिक स्थल की गरिमा और मयार्दा का खयाल रखना जरूरी नहीं समझ रहे थे। निगरानी और प्रबंधन की उचित व्यवस्था करके ऐसी मुश्किलों को दूर किया जा सकता है। मगर उसका हल अकेली लड़की के परिसर में दाखिल होने से रोकने में खोजने को उचित नहीं कहा जा सकता। यह छिपा नहीं है कि लगभग सभी धर्मों में किसी न किसी रूप में महिलाओं के प्रति भेदभाव की एक अघोषित व्यवस्था चलती रही है। उसी के मुताबिक समाज का नजरिया भी तय हो जाता है, जिसमें एक ओर महिलाओं को कमतर, तो वहीं पुरुषों को सक्षम मान लिया जाता है। परंपरागत तौर पर भी ऐसी तंग धारणाएं विकसित हो जाती हैं, जिसका खमियाजा आमतौर पर महिलाओं को ही उठाना पड़ता है। पिछले कुछ सालों के दौरान देश में कई ऐसे मौके सामने आए, जिनमें किसी मंदिर में तो कभी मजार पर महिलाओं के जाने पर पाबंदी को लेकर काफी जद्दोजहद और टकराव की स्थितियां पैदा हुईं। जहां तक जामा मस्जिद परिसर का सवाल है, तो वह एक इबादतगाह होने के साथ-साथ ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्त्व की इमारत भी है। वहां इबादत, पर्यटन, अध्ययन या शोध आदि के लिए सबको जाने का अधिकार होना चाहिए। इनमें बतौर पर्यटक, छात्रा या शोधकर्ता कोई अकेली लड़की हो सकती है या लड़कियों का समूह भी हो सकता है। ऐसे में कुछ अवांछित घटनाओं की वजह से लड़कियों के प्रवेश को शर्तों में बांधने के फैसले को किसी भी लिहाज से सही नहीं माना जा सकता। यों भी, वह पूर्वाग्रह हो या प्रबंधन में लापरवाही या फिर कमी, इसका ठीकरा लड़कियों या महिलाओं पर फोड़ने से किसी भी धर्म के समानता के मूल्य ही प्रभावित होंगे।

21 वीं शताब्दी का महा मस्तकाभिषेक...

टीले से निकली भगवान महावीर की मूंगावर्णी अतिशयकारी प्रतिमा का जयकारों के बीच महामस्तकाभिषेक महोत्सव हुआ शुरु...

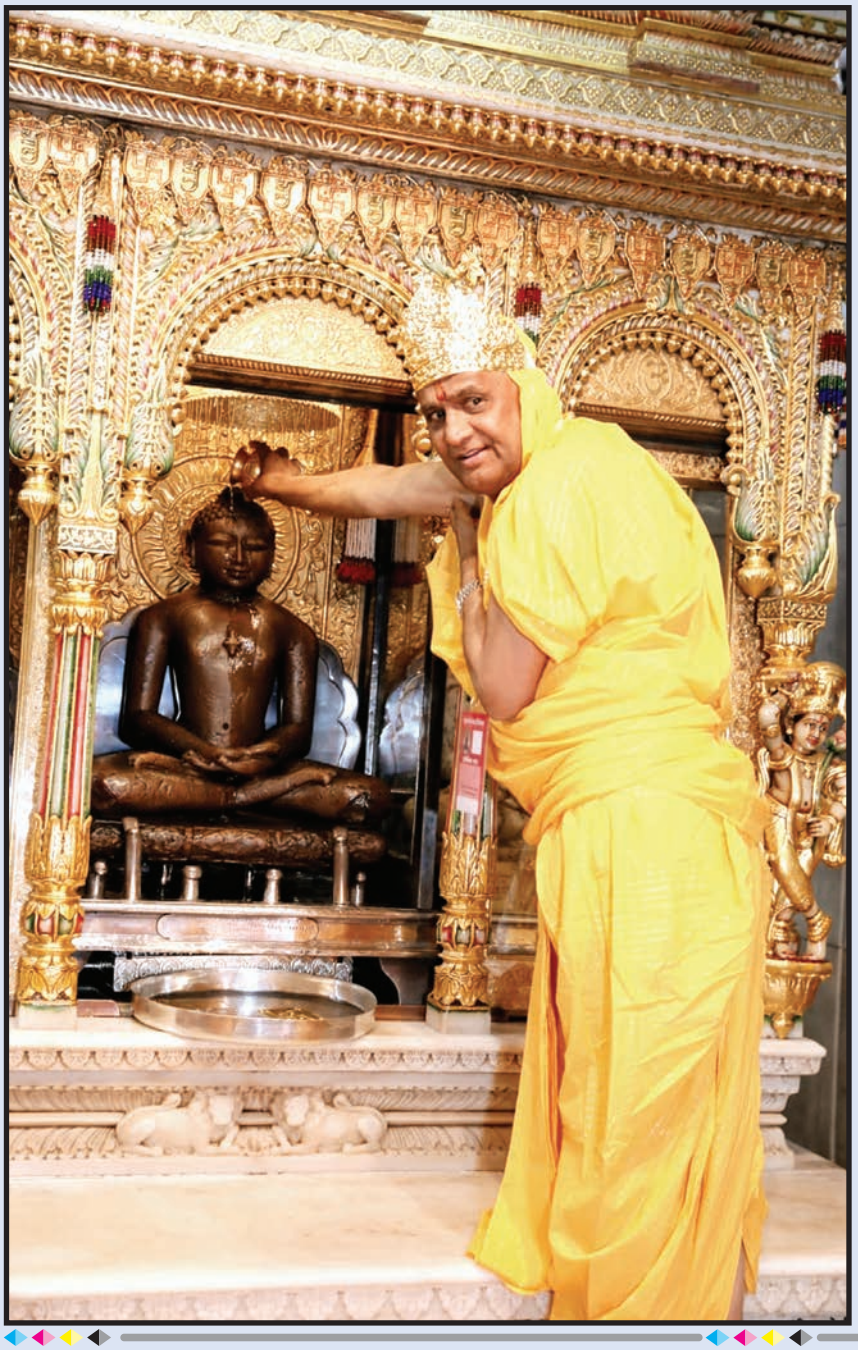

किशनगढ़ के आर के मार्बल परिवार ने किया प्रथम अभिषेक

भगवान महावीर का महामस्तकाभिषेक महोत्सव 4 दिसंबर तक चलेगा-2650 कलशों से होगा महामस्तकाभिषेक

जयपुर/ श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया। चांदनपुर वाले बाबा के नाम से पूरे विश्व में प्रसिद्ध भूगर्भ से प्रकटित भगवान महावीर की मूंगावर्णी अतिशयकारी प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक महोत्सव रविवार,27 नवम्बर से शुरू हुआ। इस मौके पर मंदिर परिसर जयकारों से गुंजायमान हो उठा। महामस्तकाभिषेक महोत्सव 4 दिसंबर तक चलेगा।इस दौरान पुण्यार्जक श्रद्धालुओं एवं इन्द्र-इन्द्राणियों द्वारा 2650 कलशों से भगवान का महामस्तकाभिषेक किया जाएगा।महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि रविवार को आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दोपहर 12.15 बजे से हुए महामस्तकाभिषेक में प्रथम कलश का सौभाग्य आर के मार्बल परिवार किशनगढ के कंवरी लाल,अशोक, सुरेश,विमल पाटनी एवं परिवारजन को प्राप्त हुआ है। इससे पूर्व आर के मार्बल्स किशनगढ परिवार भगवान महावीर स्वामी की भूगर्भ से प्रकटित मूंगावर्णी मूलनायक प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक करने हेतु एवं अन्य इन्द्र -इन्द्राणी नाचते गाते पीत वस्त्र धारण कर बैण्ड बाजों के साथ विशाल जुलूस के रूप में मुख्य मंदिर पहुंचे।इस मौके पर पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया।कार्याध्यक्ष विवेक काला एवं उपाध्यक्ष शान्ति कुमार जैन के मुताबिक द्वितीय कलश करने का सौभाग्य प्रदीप, योगेश, नवीन, लोकेश पीएनसी परिवार आगरा को मिला । तृतीय कलश का पुण्यार्जन जयपुर के अक्षत ग्रुप के नन्द किशोर, प्रमोद, सुनील पहाड़ियां परिवार को प्राप्त हुआ । तत्पश्चात ललित जैन डायमंड कारपेट आगरा,हीरा लाल बैनाडा परिवार आगरा, हुलास चन्द ,महावीर, धर्मेंद्र सेठी नई दिल्ली, निर्मल जैन सहित सौधर्म इन्द्र रोहन-अमिता कटारिया, यज्ञनायक श्रीपाल-कुसुम चूड़ीवाल एवं मण्डप उदघाटन कर्ता कमल, महावीर, सुशील गंगवाल आदि पुण्यार्जक परिवारों सहित लगभग 300 कलश प्रथम दिन किये गये।महोत्सव समिति के मुख्य संयोजक सुभाष चन्द जैन एवं संयोजक सुरेश सबलावत के मुताबिक शांतिधारा का पुण्यार्जन महेश काला परिवार इम्फाल को प्राप्त हुआ ।मंत्रोच्चार के साथ विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए भगवान के सिर पर शांतिधारा की गई। महोत्सव समिति के प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि रविवार,27 नवम्बर को दोपहर 12.15 बजे से सायं 5.15 बजे तक भगवान का महामस्तकाभिषेक हुआ। सोमवार 28 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक प्रतिदिन प्रातः 8.15 बजे से सायं 4.15 बजे तक महामस्तकाभिषेक होगा। श्री जैन के मुताबिक रविवार से दर्शनार्थियों के लिए मंदिर दर्शन सायंकाल 6.00 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक हो सकेंगे। मंदिर के नीचे स्थापित ध्यान केन्द्र की प्रतिमाओं के दर्शन प्रातः 8.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक हो सकेंगे। महोत्सव के दौरान आठ दिनों में पूरे विश्व से लाखों श्रद्धालुओं की सहभागिता होगी।

हर्षोल्लास के वातावरण में अकलंक कॉलेज में एंड्राइड ऐप कार्यशाला का समापन हुआ

कोटा. शाबाश इंडिया

अकलंक कॉलेज में 3 दिन से जारी आयोनिक फ्रेमवर्क एंड्राइड ऐप कार्यशाला का समापन हुआ। आरम प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में विद्यार्थियों ने ऐप डेवलपमेंट की बारीकियों को समझा एवं स्वयं का एंड्राइड ऐप बनाया। प्राचार्य डॉ. ललित कुमार शर्मा ने बताया कि इस तरह की कार्यशाला बच्चों के आत्मविश्वास में वृद्धि करती हैं। वर्तमान परिपेक्ष के महत्वपूर्ण विषय पर आयोजित यह कार्यशाला निशचित ही विद्यार्थियों को रोजगार पाने में सहायक सिद्ध होगी। विभागाध्यक्ष नीलिमा जैन के अनुसार कार्यशाला में बीसीए के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर उत्साह से भाग लिया एवं स्वयं का ऐप बनाकर न केवल अपने मनोबल को बढ़ाया अपितु अपने रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि की है। विषय विशेषज्ञ अमित मोदी ने विद्यार्थियों को एंड्राइड ऐप तैयार करने के गुर सिखाए। विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए इस कार्यशाला का आयोजन किये जाने पर महाविधालय प्रबंधन , कंप्यूटर विभाग एवं वीआरएम प्राइवेट लिमिटेड के धन्यवाद दिया। प्रतिभागियों द्वारा बनाए गए ऐप को निरीक्षण करके वीआरएम प्राइवेट लिमिटेड एवं कॉलेज के पैनल ने कपिल नागर द्वारा तैयार किये गए ऐप को सर्वश्रेष्ठ ऐप का पुरस्कार प्रदान किया गया। सर्वश्रेष्ठ ऐप विजेता को वीआरएम प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 3 महीने की फ्री इन्टरशिप का ऑफर प्रदान किया। महाविद्यालय एवं वीआरएम प्राइवेट लिमिटिड प्रशासन द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गए एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यशाला में कंप्यूटर विभाग के प्रिया जैन, प्रीति शर्मा, अनुसूया जैन, अभिनव पहाड़िया उपस्थित थे। उक्त समस्त जानकारी राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि कोटा ने प्रदान की।

दो प्रकार के लोग है इस दुनिया में, एक सरल मन वाले, दूसरे कुटिल बुद्धि वाले : आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

यूं ही खाते पीते, टाइम पास करते मर जाना, दुर्भाग्य की बात है और समय से मरना फिर लोगों के दिलों में जिन्दा रहना, ये सत्कर्म, सेवा, परोपकार की बात है...

मनुष्य जीवन मिलना सौभाग्य की बात है...

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

दो प्रकार के लोग है इस दुनिया में -- एक सरल मन वाले, दूसरे कुटिल बुद्धि वाले। सरल मन वाला व्यक्ति उस नदी की तरह पवित्र और पावन है, जो निश्छल मन से समुद्र से मिलने के लिए सतत प्रवाह मान हो रही है। जो बह रही है वो नदी है। वह अनेक संकटो से जूझते हुए, गिरते पड़ते बहे जा रही है। सिर्फ एक ही लक्ष्य है अनन्त में विलीन होना और उसका अपना कोई मकसद नहीं है। ऐसे ही सरल मन वाले लोग परमात्म तत्व को उपलब्ध हो जाते हैं। इसलिए निर्ग्रन्थ साधु को यानि दिगम्बर जैन साधु को बालक वत निर्विकारी की उपमा से अलंकृत किया है। दिगम्बर जैन साधु शीशू वत जीवन जीता है। कोई भी मजहब की माता बहिन आ जाये लेकिन दिगम्बर जैन साधु के मन में किंचित भी विषय, विकार, वासना का भाव नहीं आता। सभी माता बहिनों के प्रति सम दृष्टि रखता है।

एक गीत आपने सुना होगा

ओह रे-ताल मिले नदी के जल से, नदी मिले सागर से, सागर मिले कौन से जल से कोई जाने ना ओह रे ! दूसरे हैं कुटिल बुद्धि के लोग- जो हमेशा अपने किसी ना किसी उधेड़ बुन में मशगूल रहते हैं, इसकी टोपी उसके सर पे, उसकी टोपी इसके सिर पे जिनका काम होता है। आज देश और समाज में अच्छे लोग भी खोटा सिक्का चलाने की दौड़ में दम लगाकर दौड़ रहे हैं। इस शाश्वत सत्य को स्वीकार करो कि वो हमको हर पल देख रहा है। **हम खुद और खुदा की नजरों से कभी बच नहीं सकते...!**

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

सभी ग्रन्थों को समावेश करता है भारत का संविधान : गोवर्धन बारदार

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारत का संविधान सभी ग्रन्थों को समावेश करता है। ये विचार राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश गोर्वधन बारदार ने विधि महाविद्यालय केन्द्र-2 में आयोजित संविधान दिवस के अवसर पर मुख्यअतिथि पद से कहे। बारदार ने भारत के संविधान की विशेषताओं से अवगत कराया एवं विद्यार्थियों को कर्तव्य का पाठ भी दिया। विश्वविद्यालय विधि महाविद्यालय केन्द्र-2 में आज संविधान दिवस एवं प्रोफेसर जेपी व्यास की स्मृति में ''**समान सिविल संहिता की वर्तमान परिपेक्ष्य**'' में प्रासंगिकता पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रारंभ में सर्वप्रथम डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविन्द सिंह राजपुरोहित ने मुख्य अतिथि व उपस्थित समस्त शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. राजेश गौड़ ने प्रो. जेपी व्यास के जीवन की कुछ झलकियों पर प्रकाश डाला। इस दौरान संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन सभी अतिथियों एवं विद्यार्थियों द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में लगभग 20 विद्यार्थियों ने वाद-विवाद के विषय समान सिविल संहिता की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता पर पक्ष व विपक्ष में विचार रखे।आंकलन विधि विभाग की सहायक आचायसुश्री पूनम बिश्नोई व मणिपाल विश्वविद्यालय की सहायक आचायडॉ. प्रभप्रीत सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता में प्रथम इशु पूनिया व द्वितीय पोरूष मिश्रा व गिरिराज अग्रवाल रहे। अन्त में राज उच्च न्यायालय के अधिवक्ता गजेन्द्र व्यास, अधिवक्ता ने सभी का जताया कार्यक्रम में डॉ. तरूण जोनवल, डॉ. ओम प्रकाश सिरवी डॉ. अंजु गहलोत एवं अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

ललित शाह के नेतृत्व में जीतो सूरत की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

सूरत.शाबाश इंडिया

जैन समाज के सभी पंथों, गच्छों, व सम्प्रदायों के आर्थिक, शैक्षणिक व सामाजिक उत्थान हेतु कृतसंकल्प जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन, सूरत (जीतो) की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम रविवार 27 नवम्बर को प्रातः 10 बजे हुमस रोड़ स्थित अवध उथोपिया में आयोजित हुआ। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में पिंडवाड़ा राजस्थान निवासी व सूरत प्रवासी शहर के प्रतिष्ठित बिल्डर ललित शाह के नेतृत्व में सम्पूर्ण कार्यकारिणी ने शपथ ग्रहण की। जीतो सूरत की नूतन कार्यकारिणी में आशीष नानालाल दोशी (डायरेक्टर), प्रदीप आनंद राज सिंघी, योगेश कुमार ए जैन, प्रवीण पन्नालाल जैन, जवाहर लाल एस धारीवाल, केतन झोटा व गौरव धारीवाल (एडवाइजर) प्रकाश डुंगानी (चीफ सेक्रेटरी), मिलन पारिख (जैनम सिक्युरिटी) सुनील जैन (बाहुबली) प्रो डॉ संजय जैन (भगवान महावीर यूनिवर्सिटी) अजय अजमेरा (अजमेरा फैशन) वाइस चेयरमैन, धवल एम शाह व मितेश गांधी (सेक्रेटरी) मांगीलाल मालू (ट्रेजरार) अनिल समदड़िया (जॉइंट ट्रेजरार) तथा कमेटी मेम्बर ने शपथ ली। इस अवसर पर जीतो अपेक्स चेयरमेन सुखराज नाहर, राजेन्द्र छाजेड़(वाइस चेयरमैन) अभय कुमार श्रीश्रीमाल (प्रेसिडेंट) कुशल राज भंसाली (वाइस प्रेसिडेंट) मनोज मेहता (सेक्रेटरी जनरल) संजय जैन (सेक्रेटरी) विनोद दुगड़ (चेयरमैन-JATF) प्रकाश संघवी (चेयरमैन-श्रमण आरोग्यम) रमेश हरण (प्रेसिडेंट-श्रमण आरोग्यम) अमित जैन बालड़(जोन चेयरमैन-गुजरात जोन) रमेश जैन (इमिडीएट पास्ट प्रेसिडेंट-TNAPTS ZONE) उपस्थित रहे। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन श्री प्रदीप सिंघी, श्री जवाहर धारीवाल आदि पदाधिकारियों ने अपने उद्गार प्रकट किए। नव मनोनीत चेयरमैन ललित शाह ने सूरत में साधार्मिक बन्धुओं के लिए आवास योजना, व श्रमण आरोग्यम के तहत आयुर्वेद की उपचार विधि प्रारम्भ करने की योजना बताइ । ने चीफ सेक्रेटरी त तथा श्रीमती श्वेता ड इस अवसर पर श्रमण आरोग्यम के तहत आयुर्वेद प्रकोष्ठ की लॉन्चिंग चेरमनी हुई। पूर्व चेयरमैन सी ए श्री प्रदीप सिंघी की संकलित पुस्तक जिंदगी के सुनहरे बोल का विमोचन अपेक्स चेयरमेन श्री सुखराज नाहर आदि पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से किया।

अध्यक्ष नीरा जैन और उपाध्यक्ष मुनिया सोगानी सहित पदाधिकारियों ने ली शपथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय जैन महिला जागृति मंच ''सहेली मंच शाखा'' का शपथ ग्रहण समारोह दिगंबर जैन मंदिर, कीर्ति नगर में संपन्न हुआ। इस दौरान मंच राष्ट्रीय महामंत्री बीना टोंग्या द्वारा **'सहेली मंच शाखा'** की सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई। इस अवसर पर मंच की वरिष्ठ सदस्या सीमा जैन और राजकुमारी पाटोदी सहित अन्य

महिला पदाधिकारी व सदस्यागण भी उपस्थित रही। शपथ ग्रहण समारोह के अंतर्गत सहेली मंच शाखा की अध्यक्षा नीरा जैन, कार्याध्यक्ष प्रियंका जैन, उपाध्यक्ष मुनिया सोगानी, महामंत्री प्रज्ञा जैन, कोषाध्यक्ष नीतू जैन, सांस्कृतिक मंत्री मनीषा जैन और प्रवक्ता जया जैन सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्याओ व पदाधिकारियों ने समाज हित को ध्यान में रखकर सकारात्मक रूप से अपनी भूमिका अदा करने का संकल्प लेकर पद और गोपनीयता की शपथ ली।

श्री आनन्द-वर्षा अजमेरा

वैवाहिक वर्षगांठ (28 नवम्बर) की

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

श्री आनन्द अजमेरा

मोबाईल 9198290-12220

पूर्व अध्यक्ष : दिगंबर जैन सोशल ग्रुप डायमंड राष्ट्रीय
सह सचिव : दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन
संयुक्त मंत्री : श्री चंद्रप्रभ चैरिटेबल संस्था, दुर्गापुरा
सचिव : सुरेश नगर दुर्गा विहार समिति

श्रीमती वर्षा अजमेरा

मोबाईल 98284-12220

कोषाध्यक्ष : श्री दिगंबर जैन चंद्रप्रभु महिला मंडल दुर्गापुरा
मनोनित सदस्य : दुर्गापुरा राजकीय विद्यालय विकास समिति

With Best Compliments
Relative & Friends

एम्बीशन किड्स में भारतीय संविधान दिवस जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

संविधान दिवस जागरूकता कार्यक्रम के तहत उपाचार्य अनिता जैन ने एम्बीशन किड्स के समस्त छात्रों को बताया कि आज के दिन 26 नवम्बर को ही भारतीय संविधान की आधारशिला रखी गई थी और इसके सम्बन्ध में छात्रों को निम्न जानकारियां भी दी गई। **भारतीय संविधान की प्रस्तावना:** भारतीय संविधान की प्रस्तावना में जो प्रारंभिक पांच शब्द हैं संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक, गणराज्य। ये पांच शब्द हमारे संविधान के स्वरूप को दर्शाते हैं। वहीं प्रस्तावना के अंतिम शब्द वह इसके उद्देश्य को दर्शाते हैं। संविधान की प्रस्तावना का महत्व समझाते हुए प्राचार्या डॉ. अलका जैन ने बताया कि इसमें वे आदर्श हैं जिन्हें संविधान प्राप्त करना चाहता है। यह संविधान को दिशा और उद्देश्य देता है। यह भावी उद्देश्यों और सामाजिक-आर्थिक लक्ष्यों को भी स्थापित करता है, जिन्हें संवैधानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से प्राप्त किया जाना है। संस्था अध्यक्ष डॉ. मोहन लाल जैन 'मणि' ने कहा कि डॉ. भीम राव अंबेडकर को भारतीय संविधान का जनक माना जाता है। वह भारत के संविधान के मुख्य वास्तुकार थे। उन्हें 1947 में संविधान मसौदा समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। वह स्वतंत्र भारत के पहले कानून और न्याय मंत्री थे ।

तृतीय रक्तदान शिविर का पोस्टर विमोचन

जयपुर. कासं। शौर्य फाउंडेशन द्वारा आगामी 18 दिसंबर को आयोजित होने वाले तृतीय रक्तदान शिविर का पोस्टर विमोचन रविवार को सिरसी रोड़ स्थित केसर बाग मैरिज गार्डन में किया गया। इस दौरान शौर्य फाउंडेशन परिवार के सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे, सभी ने इस आयोजन को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रण लिया और पिछले वर्ष के 1007 यूनिट के रिकॉर्ड को तोड़कर नया आयाम स्थापित करने के लिए बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का विश्वास दिलाया।

श्री महावीर जी मे नवीन मंदिर शिलान्यास समारोह आज

श्री महावीर जी. शाबाश इंडिया। पूज्य मुनि श्री परम पूज्य मुनि श्री प्रार्थना सागर जी महाराज की प्रेरणा से राजस्थान की पावन धरा अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में हिंडौन रोड पर भव्य मंदिर बेदी शिलान्यास महोत्सव भूमि पूजन दिनांक 28 नवम्बर को प्रातः 9 से से 10 के बीच रखा गया है। संपूर्ण मंगल आयोजन अनुष्ठानाचार्य कपिल भैया, डॉ अभिषेक शास्त्री शिक्षाचार्य दमोह के निर्देशन में होगा आप सभी पधार कर पुण्य लाभ प्राप्त करे निवेदक सप्तऋषि जिनालय पदाधिकारी, संघ संचालिका निर्मला दीदी ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

अन्तर्मना आचार्य श्री का आज निरन्तराय आहार हुआ

सम्मेदशिखर जी. शाबाश इंडिया

प्रातः बीसपंथी कोठी में सर्व प्रथम पारसनाथ भगवान के समक्ष सौम्य मूर्ति पीयूष सागर जी महाराज के निर्देशन स्वर्णमयी श्री जी की प्रतिमा पर अभिषेक एवं शांति धारा विशेष भक्तों द्वारा किया गया। इसके पश्चात सम्मेद शिखर में विराजमान सभी आचार्य, उपाध्याय, मुनि गण, आर्यिका संघ के साथ कई त्यागी व्रती बीसपंथी कोठी पहुचकर अन्तर्मना मुनि श्री 108 प्रसन्न सागर जी महामुनिराज की पारणा की अनुमोदना किये साथ ही 28 नवंबर को दीक्षा लेने वाली 16 दीदीयो के द्वारा पड़गाहन कर आहार देने का सौभाग्य प्राप्त किया ।सभी दीदी आचार्य भगवन को आहार देकर अपने आप को पुण्य शाली मानकर कहा कि ऐसे तपस्वी की अनुमोदना कर हम भी मोक्ष मार्ग को प्रशस्त करे।इस अवसर पर अन्तर्मना ने सभी दीदी को बहुत बहुत आशीर्वाद दिया और दीक्षा के पूर्व गोद भराई का कार्यक्रम आचार्य संघ के सानिध्य में हुआ। बाहर से आये सेकड़ो यात्री गण भी इस पारणा में शामिल हुये।इस अवसर पर विशेष रूप से आकाश जैन,धूलियांन के मनोज जैन, अजय जैन, हैदराबाद के मनोज जैन, कोलकोत्ता से विवेक गंगवाल,मीडिया प्रभारी राज कुमार अजमेरा, कोडरमा, गिरिडीह, मुर्शिदाबाद, कोलकोत्ता,धनबाद आदि कई स्थानों के भक्त इस महोत्सव में शामिल हुवे। **मीडिया प्रभारी जैन राज कुमार अजमेरा कोडरमा।**

रानी बाग में संपन्न हुआ पिच्छिका परिवर्तन समारोह

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, रानी बाग, दिल्ली में परम पूज्य गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज के शिष्य परम श्रद्धेय क्षुल्लक श्री 105 विदेह सागर जी महाराज का पिच्छिका परिवर्तन समारोह रविवार, दिनांक 27 नवम्बर 2022 को अत्यंत भक्ति भाव सहित धर्मप्रभावना पूर्वक सानंद संपन्न हुआ. कार्यक्रम का संचालन पं. विवेक जैन शास्त्री (टीकमगढ़) के कुशल निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला मण्डल द्वारा मंगलाचरण से हुआ तत्पश्चात सौभाग्यशाली परिवारों द्वारा चित्र अनावरण, जिनवाणी विराजमान व दीप प्रज्जवलन किया गया। श्री दिगम्बर जैन महासभा (रोहिणी-पीतमपुरा) के महामंत्री राकेश जैन 'कलकत्ता वाले' के साथ रोहिणी सेक्टर-20 जैन समाज ने क्षुल्लक श्री का पाद प्रक्षालन कर तथा नवीन कमण्डलु भेंट कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। सौभाग्यशाली महानुभावों ने क्षुल्लक श्री के कर-कमलों में शास्त्र भेंट कर पुण्यार्जन किया तथा कार्यकारिणी समिति ने वस्त्र भेंट किए। समाज की महिलाओं व बच्चों ने

मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर खूब सराहना प्राप्त की। कार्यकारिणी समिति द्वारा बाहर से पधारे हुए अतिथियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए क्षुल्लक श्री ने कहा कि जैन संतों की पहचान होती है मयूर पिच्छी जिसके माध्यम से साधु अहिंसा महाव्रत का पालन करते हैं तथा संयम की वृद्धि करते हैं ।वर्षा ऋतु के बाद मयूर स्वयं अपने पंख छोड़ देते हैं जिससे साधुओं की पिच्छिका तैयार होती है। राजेश जैन 'वर्धमान ज्वैलर्स' सपरिवार (पश्चिम विहार) ने क्षुल्लक श्री को नवीन मयूर पिच्छी प्रदान की तथा क्षुल्लक श्री की पुरानी पिच्छी प्राप्त करने का सौभाग्य राजेश जैन सपरिवार (श्रीनगर) ने प्राप्त किया। क्षुल्लक श्री की भावनानुसार चातुर्मास कलश गोपाल जैन सपरिवार (रोहिणी सेक्टर-20) को प्रदान किया गया।

श्री प्रदीप जी - प्राची जी जैन

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

की वैवाहिक वर्षगांठ

(28 नवम्बर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल

वरिष्ठ उपाध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - प्रेमा रांवका, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

गणिनी आर्यिका श्री 105 स्वस्ति भूषण माताजी को गुडाचन्द्र मे मंगल श्रीफल भेंट किया

मुरैना. शाबाश इंडिया। अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम की केंद्रीय कमेटी द्वारा रविवार 27 नवम्बर को प्रातः मुरैना ज्ञान तीर्थ में दिनांक 22 जनवरी, 2023 को होने वाले अधिवेशन में परम सानिध्य प्रदान करने हेतु गणिनी आर्यिका श्री 105 स्वस्ति भूषण माताजी को गुडाचन्द्र मे मंगल श्रीफल भेंट किया गया। फोरम के केंद्रीय महा सचिव जे के जैन गाजियाबाद ने माताजी को फोरम की गतिविधियों के बारे में बताया तथा कहा की फोरम की स्थापना आचार्य ज्ञान सागर जी की प्रेरणा से ही हुई थी जिसकी आज पूरे भारत में तैतीस शाखाये कार्यरत है। जिनमे जयपुर व कुछ अन्य शाखाये बहुत अच्छा कार्य कर रही है । फोरम के भाग चंद मित्रपूरा व पदम जैन बिलाला ने बताया कि अधिवेशन में सप्तम पट्टाधीश प पू आचार्य ज्ञेय सागर जी महाराज का परम सानिध्य रहेगा। आज उमराव मल सांघी सुकेश काला के अलावा जयपुर गाजियाबाद दिल्ली मुजफ़्फर नगर कोटा श्री महावीर जी आदि जगह से पधारे जैन बैंकर्स ने कार्य क्रम में सहभागिता कर माताजी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

52 रोगियों ने हड्डी रोग शिविर में लिया लाभ

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी के तत्वावधान में गुणमालादेवी कमलकुमार पाण्ड्या के सौजन्य से अरिहन्त हेल्थ केयर सेन्टर, कुचामन सिटी में रविवार को राजस्थान के विख्यात हड्डी रोग विशेषज्ञ, जॉइन्ट एवं घुटना रिपलेस्मेंट लिगामेंट सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. जितेश जैन, राजस्थान हॉस्पिटल, जयपुर द्वारा 52 रोगियों की निःशुल्क जाँच कर उचित परामर्श दिया गया।

शिविर संयोजक सम्पत बगडीया व तेजपाल बड़जात्या ने बताया कि शिविर में 22 रोगियों की एक्सरे व 25 रोगियों की खून की जाँच निःशुल्क की गई। शिविर प्रत्येक माह के अन्तिम रविवार को नियमित आयोजन किया जायेगा। संस्था सचिव रामअवतार गोयल ने बताया कि सुभाष पहाड़िया, कैलाश पाण्ड्या, अशोक अजमेरा, नन्दकिशोर-विजय कौर बिडसर, सुरेशकुमार गंगवाल, नरेश झांझरी, महेश लढ्ढा, बोदुलाल कुमावत, चन्द शिविर के सहयोगी रहे। विकास समिति के कार्यकारी अध्यक्ष नटवरलाल वक्ता, जैन समाज के सौभागमल गंगवाल, राजकुमार जैन, मनोनित पार्षद भंवरअली खान, पूर्वपार्षद युसूफ लीलगर ने शिविर का अवलोकन कर संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की।